6

कोयल

28/6/21

Explain

... क्या कहा है?

3. सही उत्तर पर ✓ लगाओ— पाठ-6 पुस्तक अभ्यास 29/6/21

क. कोयल किस रंग की है?

i. लाल ☐ ii. पीली ☐ iii. काली ✓

ख. कोयल के कूकने से आमों में क्या घुलती है?

i. शहद ☐ ii. मिसरी ✓ iii. चीनी ☐

ग. प्यासी धरती देख कोयल मेघों से क्या माँगती है?

i. बिजली ☐ ii. बरफ़ ☐ iii. पानी ✓

घ. कोयल किनकी रानी है?

i. सुंदरता की ☐ ii. चिड़ियों की ✓ iii. मीठी बोली की ☐

4. कविता की पंक्तियाँ पूरी करो—

क. इसने ही तो कूक-कूक कर,
आमों में मिसरी घोली।

ख. प्यासी धरती देख माँगती,
हो क्या मेघों से पानी?

ग. कोयल! यह मिठास क्या तुमने
अपनी माँ से पाई है?

घ. बहुत भली हो, तुमने माँ की
बात सदा ही मानी।

5. नीचे दी गई पंक्तियों का भावार्थ लिखो—

क. देखो कोयल काली है, पर मीठी है इसकी बोली।

ख. बहुत भली हो, तुमने माँ की, बात सदा ही है मानी।

इन पर विचार करो

1. कविता में कोयल के माध्यम से क्या संदेश मिलता है?
2. पक्षियों से आप क्या सीख सकते हैं? सोचो और बताओ।
3. पिंजरे में बंद पक्षी मन-ही-मन क्या सोचते होंगे? क्या वे पिंजरे में बंद रहकर खुश होंगे या फि आकाश में उड़कर? सोचो और बताओ।

प्रशंसा-योग्य

कागा काको धन हरे, कोयल काको देत।
मीठे वचन सुनाय के, जग अपनो कर लेत।

मीठी बोली बोलने का अर्थ किसी को मक्खन लगाना नहीं होता। सोचो, जब कौआ बोलता है, त वह किसी से कुछ लेता है, नहीं न! लेकिन फिर भी आपको उसकी आवाज़ अच्छी नहीं लगती। उसी तरह क्या कोयल किसी को कुछ देती है? नहीं न! लेकिन उसका स्वर सभी को मीठा और क लगता है। इसी तरह आम बोलचाल में भी किसी भी बात को रूखे और कड़वे स्वर में बोलना अ है, पर उसी वाक्य को मीठा बोलने के लिए थोड़ा विचार करना पड़ता है। मीठी बोली से परायों क अपना बनाया जा सकता है। इसका महत्व जानो और व्यवहार में लाओ।

जानी-अनजानी बातें

- नर कोयल का रंग कौए जैसा गहरा काला होता है और मादा कोयल भूरी चितली रंग की होती है। मादा कोयल अपने अंडे दूसरे पक्षियों के घोंसले में देती है, जैसे—कौए, पोदना और चारखी आदि। वह दूसरे के घोंसले में अपना एक अंडा देकर उसका एक अंडा गिरा देती है। मादा कोयल सालभर में 12 से 22 अंडे देती है।

नर कोयल

मादा को

- कोयल का जीवनकाल लगभग छह वर्ष होता है। इनकी लगभग 120 प्रजातियाँ मानी गई हैं। क कभी ज़मीन पर नहीं उतरती, हमेशा पेड़ों पर ही रहती है। जिस मीठी आवाज़ से हम प्रसन्न हो वह नर कोयल की आवाज़ होती है।
- पक्षियों को पिंजरे में कैद करने से उनकी आज़ादी के साथ-साथ हमारे पर्यावरण पर भी बुरा प पड़ता है।

भाषा से

श्रुतलेख

कूक-कूक, संदेशा, प्यासी, मेघों, सिखलाई, माँगती, मीठी, चिड़ियों

1. **नीचे दिए गए ध्वनिसूचक शब्द संबंधित वाक्यों में भरो—**

खों-खों   म्याऊँ-म्याऊँ   चीं-चीं   गुटर-गूँ   काँव-काँव   भौं-भौं

बिल्ली बोली — म्याऊँ - म्याऊँ

कौआ बोला — काँव - काँव

बंदर बोला — खों - खों

कुत्ता बोला — भौं - भौं

चिड़िया बोली — चीं - चीं

कहे कबूतर — गुटर-गूँ

2. **दी गई पंक्तियों में रेखांकित शब्दों के लिए कविता में प्रयुक्त समानार्थी शब्द ढूँढ़कर लिखो—**

क. क्या समाचार लाई हो? ---- संदेशा

ख. मीठी वाणी ये सिखलाई है। ---- बोली

ग. माँगती हो बादलों से पानी। ---- मेघों

घ. इस टहनी पर आई है। ---- डाली

3. **एकवचन और बहुवचन शब्दों को अलग-अलग बॉक्स में लिखो—**

आमों   कोयल   दिनों   डाल   धरती   मेघों

एकवचन शब्द	बहुवचन शब्द
कोयल	आमों
डाल	दिनों
धरती	मेघों

4. विलोम शब्दों का सही मिलान करो—

काली	रात	मीठी	ज़्यादा
दिन	झूठ	भला	कड़वी
सच	सफ़ेद	थोड़ा	बुरा

5. **पढ़ो और समझो—**

एक बीज था गया बहुत ही, गहराई में <u>बोया</u>,
उसी बीज के अंतर में था, नन्हा पौधा <u>सोया</u>।

ऊपर दी गई पंक्तियों में रेखांकित शब्द 'बोया' और 'सोया' **समान ध्वनिवाले शब्द** हैं। ऐसे **तुकांत शब्द** कहलाते हैं। कविता में ऐसे शब्दों का प्रयोग उसकी लयबद्धता को बढ़ाता है।

दिए गए शब्दों के लिए कविता में प्रयोग हुए तुकांत शब्द लिखो—

बोली — घोली		रानी — मानी	
पाई — लाई		लाई हो — आई हो	
सिखाया — बताया		मानी — पानी	

6. **कविता में से योजक चिह्नवाले तीन शब्द ढूँढ़कर लिखो—**

कूक-कूक ..... डाल-डाल ..... उड़ना-गाना ..... मीठे-मीठे

प्रस्तावित गतिविधियाँ

1. पक्षियों पर आधारित कोई कविता सुंदर अक्षरों में चार्ट पर लिखो और कक्षा में सुनाओ।
2. "हम अपनी बोली से परायों को अपना और अपनों को पराया बना सकते हैं।" इस कथन पर क
अपने विचार प्रस्तुत करो।
3. 'यदि मैं पक्षी होता/होती' विषय पर मित्रों के साथ संवाद करो।
4. कोयल की विशेषता उसकी मीठी बोली है। कुछ ऐसे ही अन्य पशु-पक्षियों की सूची बनाओ, जि
कोई न कोई विशेषता हो। सूची तैयार कर अपने सहपाठी को दिखाओ और उनपर बातचीत करो।

5. **देखो, समझो और बनाओ–** Do it in Drawing file

क.

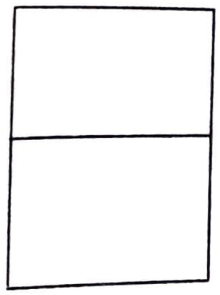

ख.

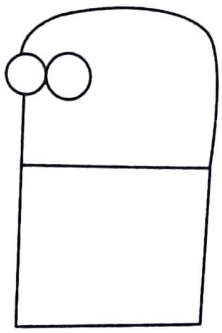

ग.

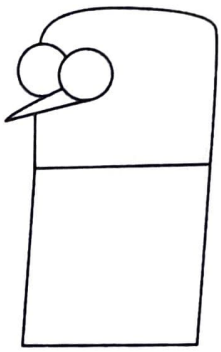

घ.

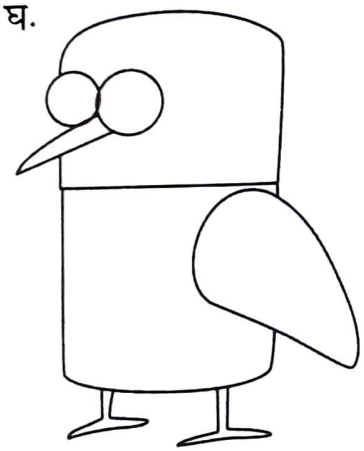

ङ.

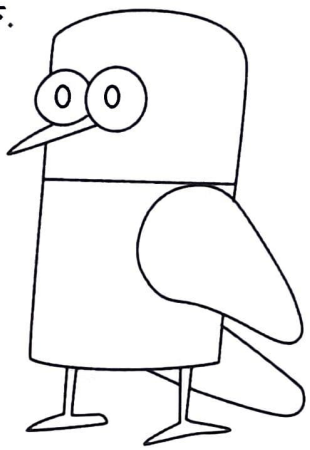

च.

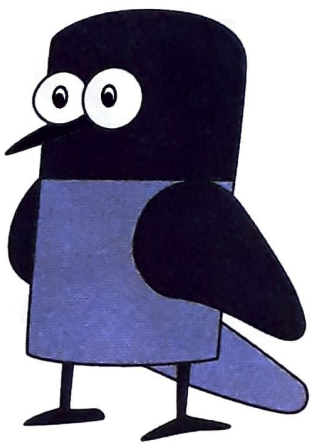

हमने क्या सीखा

1. जीवन में मीठी बोली का बहुत महत्व है।
2. कटु वचन दूसरों को पीड़ा देते हैं और मीठी बोली औषधि का काम करती है।
3. मीठी बोली से हम परायों को भी अपना बना सकते हैं।
4. हमें सदैव अपने बड़ों की कही बात माननी चाहिए।